भारत सरकार
राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भूतल, ब्लॉक-3 दिल्ली आई टी पार्क
शास्त्री पार्क दिल्ली-110053
टेलीफोन नं0 22185936, वेबसाइटः www.nvbdcp.gov.in
ईमेलः nvbdcp-mohfw@nic.in

दिनांकः 26/11/2015

प्रेस विज्ञप्ति

मलेरिया एक मच्छर जनित रोग है और यह त्रिपुरा राज्य सहित पूर्वोत्तर राज्यों में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। इस रोग का इलाज एवं रोकथाम संभव है। सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अन्तर्गत इसकी औषधि एवं निदान निःशुल्क प्रदान की जाती है। भारत सरकार रसद, तकनीकी समर्थन एवं वित्तीय सहायता के रूप में राज्य को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2014 में त्रिपुरा राज्य में मलेरिया रोगियों एवं इसके द्वारा मृत्यु की संख्या में काफी वृद्धि पाई गई थी।

मलेरिया रोग के नियंत्रण के लिए मच्छरों की जनसंख्या को कम करने हेतु कई प्रविधियॉं उपलब्ध हैंः- जैसे लारवा भक्षी मछली, आन्तरिक अवशिष्ट कीटनाशी छिड़काव, प्रजनन स्थलों का उन्मूलन के अन्तर्गत छोटे गड्ढों, खाईयों को भरकर, नहरों का तटीकरण, ग्रामीण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों के द्वारा स्वच्छता गतिविधिओं के द्वारा, खुले जलाशयों को कवर (ढक्कन लगाकर) करना इत्यादि। दीघ्रकालिक कीटनाशी उपचारित मच्छरदानी (LLIN) मानव मच्छर सम्पर्क के बीच बाधा के रूप में कार्य करने वाला तथा मच्छरदानी जाल के सम्पर्क में आने वाले मच्छरों को नष्ट करने वाला है। नए नया प्रभावी हस्तक्षेप है। वर्ष 2015 के माह नवम्बर-दिसम्बर के दौरान राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MOH&FW), भारत सरकार द्वारा त्रिपुरा के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों के बीच 10 लाख कीटनाशी उपचारित मच्छरदानियों की आपूर्ति की गई है।

समुदाय को सलाह है किः-

- घरों के अंदर या बाहर सोते समय हमेशा दीघ्रकालिक कीटनाशी उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग करें और मच्छरदानी के चारों कोनों को ठीक ढंग से बांध दें और निचले किनारे को गद्दे अथवा चटाई के अन्दर तक खोंस दें।
- मच्छरदानी का प्रयोग करने के पश्चात् भली-भांति मोड़कर स्वच्छ स्थान पर रख दें।

- मच्छरदानी के गंदे होने पर कुछ सावधानियॉ बरतनी अनिवार्य हैं जैसेः- मच्छरदानी को धीरे-धीरे रगड़ कर साफ पानी से धोऍ परन्तु डिटर्जेंट का प्रयोग कभी न करें।
- मच्छरदानी धोते समय गर्म पानी एवं ब्रश का प्रयोग न करें और न ही जमीन पर पीट-पीट कर धोएं।
- धोने के पश्चात् निचोड़ना नहीं चाहिए, छाया में सुखाएं और सूर्य के सीधे प्रकाश में न सुखाएं।
- मच्छरदानी को मछली पकड़ने के लिए जाल की तरह प्रयोग में न लाएं।